करियर शीट · CAREER SHEET

Specialist Officer (Scale I) — Public Sector Banks, through IBPS CRP SPL

विशेषज्ञ अधिकारी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का स्केल। का अधिकारी है — वही अधिकारी-श्रेणी जिसमें परिवीक्षा अधिकारी आता है — पर उस तक पहुँचने का रास्ता अलग है। परिवीक्षा अधिकारी एवं लिपिक की भर्ती में योग्यता "किसी भी विषय में...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/ibps-specialist-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

विशेषज्ञ अधिकारी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का स्केल I का अधिकारी है — वही अधिकारी-श्रेणी जिसमें परिवीक्षा अधिकारी आता है — पर उस तक पहुँचने का रास्ता अलग है। परिवीक्षा अधिकारी एवं लिपिक की भर्ती में योग्यता "किसी भी विषय में स्नातक" होती है और सब एक ही प्रश्न-पत्र देते हैं। यहाँ ऐसा नहीं है: यहाँ आपकी विशिष्ट योग्यता ही पात्रता है, और परीक्षा का आधा भाग आपके अपने विषय का होता है। छह पद इस भर्ती से भरे जाते हैं — आई.टी. अधिकारी, कृषि क्षेत्रीय अधिकारी, राजभाषा अधिकारी, विधि अधिकारी, मानव संसाधन अधिकारी तथा विपणन अधिकारी। इनमें से एक पद ऐसा है जिसके बारे में इस पोर्टल को विशेष रूप से बताना चाहिए: राजभाषा अधिकारी की योग्यता हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि है (स्नातक स्तर पर अंग्रेज़ी विषय के साथ), अथवा संस्कृत में स्नातकोत्तर (स्नातक स्तर पर अंग्रेज़ी एवं हिन्दी के साथ)। अर्थात् हिन्दी की एम.ए. से बैंक का अधिकारी बना जा सकता है — उसी स्केल I पर जिस पर परिवीक्षा अधिकारी होता है। राजस्थान के हिन्दी माध्यम के विद्यार्थी से प्रायः कहा जाता है कि उसका विषय केवल अध्यापन तक ले जाता है; यह रास्ता भी उसी विषय से खुलता है, और यह बात लगभग कोई नहीं बताता।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	पद के अनुसार अलग-अलग। आई.टी. अधिकारी — कंप्यूटर विज्ञान/कंप्यूटर अनुप्रयोग/सूचना प्रौद्योगिकी/इलेक्ट्रॉनिक्स आदि में 4-वर्षीय अभियांत्रिकी डिग्री, अथवा इन्हीं विषयों में स्नातकोत्तर, अथवा DOEACC "बी" स्तर उत्तीर्ण स्नातक। कृषि क्षेत्रीय अधिकारी — कृषि, उद्यान, पशुपालन, पशु चिकित्सा, डेयरी, मत्स्य, वानिकी, कृषि जैवप्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, कृषि अभियांत्रिकी, रेशम उत्पादन आदि में 4-वर्षीय डिग्री। राजभाषा अधिकारी — हिन्दी में स्नातकोत्तर (स्नातक में अंग्रेज़ी विषय सहित) अथवा संस्कृत में स्नातकोत्तर (स्नातक में अंग्रेज़ी एवं हिन्दी सहित)। विधि अधिकारी — एल.एल.बी. तथा बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण। मानव संसाधन अधिकारी — स्नातक तथा कार्मिक प्रबंधन/औद्योगिक सम्बन्ध/एच.आर./समाज कार्य/श्रम विधि में दो वर्ष का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर। विपणन अधिकारी — स्नातक तथा विपणन में दो वर्ष का पूर्णकालिक एम.बी.ए./पी.जी.डी.एम. आदि
भर्ती संस्था	बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आई.बी.पी.एस.) — सामान्य भर्ती प्रक्रिया CRP SPL के माध्यम से, भाग लेने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए
आयु-सीमा	20 से 30 वर्ष (चक्र XVI में 21 जुलाई 2026 को)। ध्यान दें कि यह लिपिक एवं परिवीक्षा अधिकारी की 28 वर्ष की सीमा से दो वर्ष अधिक है
आरंभिक वेतन	अधिकारी स्केल I का वेतनमान — वही श्रेणी जिस पर परिवीक्षा अधिकारी नियुक्त होता है। विस्तृत विज्ञप्ति में वेतनमान का रुपया-आँकड़ा नहीं दिया गया, इसलिए यह पृष्ठ भी कोई संख्या नहीं बताता
माँग	भर्ती प्रतिवर्ष चक्र में आती है और छह पद एक साथ भरे जाते हैं। प्रत्येक पद की प्रतिस्पर्धा केवल उसी योग्यता वालों तक सीमित रहती है, इसलिए यह जनरलिस्ट भर्तियों जितनी विशाल नहीं होती

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- अपने विषय में गहराई तक जाना और उसी को काम का आधार बनाना
- अधिकारी-श्रेणी का दायित्व एवं निर्णय लेना
- बैंकिंग एवं वित्त के भीतर विशेषज्ञ भूमिका

क्षमताएँ

- अपने विषय पर मज़बूत पकड़ — यहाँ परीक्षा का आधा भाग वही है, इसलिए यह सबसे निर्णायक क्षमता है
- बैंकिंग की भाषा एवं व्यवस्था को शीघ्र सीखने की क्षमता, क्योंकि विषय आपका है पर संदर्भ बैंक का होगा
- सामान्य अभियोग्यता का पर्याप्त स्तर, क्योंकि शेष खंडों में भी अलग-अलग अर्हक अंक लाने आवश्यक हैं

ज़रूरी कौशल

- अपने विशेषज्ञ क्षेत्र का व्यावहारिक कार्य — सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि ऋण, राजभाषा कार्यान्वयन, विधिक परामर्श, मानव संसाधन अथवा विपणन
- शाखाओं एवं कार्यालयों को अपने विषय पर मार्गदर्शन देना
- अपने विषय को बैंकिंग के सन्दर्भ में लागू करना — डिग्री का ज्ञान वही रहता है, पर उसका प्रयोग ऋण, जोखिम एवं विनियमन के ढाँचे में करना सीखना पड़ता है
- बैंक के नियमों एवं विनियामक ढाँचे के भीतर काम करना
- रिपोर्टिंग, अभिलेख एवं अनुपालन
- शाखा के साथियों को अपने विषय पर सरल भाषा में समझा सकना, क्योंकि विशेषज्ञ अधिकारी से परामर्श लेने वाले अधिकांश लोग उस विषय के नहीं होते

4 कैसे पहुँचें

1. अपनी विशेषज्ञ योग्यता पूरी करें — यही इस रास्ते की पात्रता है। यह जनरलिस्ट भर्तियों से मूल अंतर है: वहाँ कोई भी स्नातक आवेदन कर सकता है, यहाँ आपकी डिग्री ही दरवाज़ा खोलती है और वही दूसरों को बाहर रखती है।
2. कृषि की सूची पूरी पढ़ें, क्योंकि वह "कृषि" शब्द से कहीं अधिक विस्तृत है। कृषि, उद्यान विज्ञान, पशुपालन, पशु चिकित्सा विज्ञान, डेयरी विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, मत्स्य पालन, कृषि विपणन एवं सहकारिता, सहकारिता एवं बैंकिंग, कृषि-वानिकी, वानिकी, कृषि जैवप्रौद्योगिकी, बी.टेक जैवप्रौद्योगिकी, खाद्य विज्ञान, कृषि व्यवसाय प्रबंधन, खाद्य प्रौद्योगिकी, डेयरी प्रौद्योगिकी, कृषि अभियांत्रिकी, रेशम उत्पादन तथा मत्स्य अभियांत्रिकी — इनमें से किसी में भी चार वर्ष की डिग्री कृषि क्षेत्रीय अधिकारी के लिए पात्र बनाती है। इस पोर्टल के कृषि क्षेत्र के अधिकांश विद्यार्थी यह मानकर चलते हैं कि बैंकिंग उनके लिए बंद है; वे ग़लत हैं।

3. हिन्दी अथवा संस्कृत के स्नातकोत्तर विद्यार्थी राजभाषा अधिकारी का पद अवश्य देखें। शर्त यह है कि हिन्दी में स्नातकोत्तर के साथ स्नातक स्तर पर अंग्रेज़ी विषय रहा हो, अथवा संस्कृत में स्नातकोत्तर के साथ स्नातक स्तर पर अंग्रेज़ी एवं हिन्दी रहे हों। यह शर्त पहले से जान लेनी चाहिए, क्योंकि स्नातक स्तर के विषय बाद में बदले नहीं जा सकते — जो विद्यार्थी हिन्दी में एम.ए. करने की सोच रहा है, वह स्नातक में अंग्रेज़ी रखकर यह दरवाज़ा खुला रख सकता है।

4. विधि अधिकारी के लिए एल.एल.बी. के साथ बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण आवश्यक है — केवल डिग्री पर्याप्त नहीं। मानव संसाधन एवं विपणन के पदों के लिए स्नातक के बाद दो वर्ष का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर आवश्यक है, और "पूर्णकालिक" शब्द पर ध्यान दें।

5. आयु 20 से 30 वर्ष है — लिपिक एवं परिवीक्षा अधिकारी की 28 वर्ष की सीमा से दो वर्ष अधिक। जिस अभ्यर्थी की जनरलिस्ट रास्तों की खिड़की बंद होने लगी है, उसके पास यहाँ कुछ समय और बचा रह सकता है, बशर्ते विशेषज्ञ योग्यता हो।

प्रमुख परीक्षाएँ

- चयन तीन चरणों का है — प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार। और यहाँ वह बात है जो इस भर्ती को जनरलिस्ट भर्तियों से अलग करती है: व्यावसायिक ज्ञान (प्रोफेशनल नॉलेज) का खंड दोहरे अंक-भार का है। प्रारंभिक परीक्षा में उसके 25 प्रश्न 50 अंक के हैं, जबकि अंग्रेज़ी, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभियोग्यता के 25-25 प्रश्न 25-25 अंक के — अर्थात् 125 में से 50 अंक अकेले आपके विषय के हैं। मुख्य परीक्षा में यह अनुपात और बढ़ जाता है: वस्तुनिष्ठ भाग के 200 अंकों में से 100 अंक व्यावसायिक ज्ञान के हैं। आधा प्रश्न-पत्र आपका अपना विषय है।
- प्रारंभिक परीक्षा में चार खंड हैं, कुल 100 प्रश्न, 125 अंक, 80 मिनट, प्रत्येक खंड 20 मिनट का। आई.टी., कृषि, मानव संसाधन एवं विपणन के पदों के लिए खंड हैं — अंग्रेज़ी भाषा, तर्कशक्ति, संख्यात्मक अभियोग्यता एवं व्यावसायिक ज्ञान। विधि अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी के लिए संख्यात्मक अभियोग्यता के स्थान पर "बैंकिंग उद्योग के विशेष सन्दर्भ में सामान्य जागरूकता" आती है — अर्थात् इन दो पदों के अभ्यर्थियों को गणित नहीं, बैंकिंग की जानकारी पढ़नी होती है। यह अंतर जान लेना चाहिए, क्योंकि तैयारी की सामग्री ही बदल जाती है। चारों खंडों में अलग-अलग अर्हक अंक लाने आवश्यक हैं।
- इसका व्यावहारिक अर्थ बहुत सीधा है, और यह उस अभ्यर्थी के लिए महत्त्वपूर्ण है जो अपने विषय में मज़बूत है पर सामान्य अभियोग्यता में औसत — और ऐसे अभ्यर्थी बहुत हैं। जनरलिस्ट परीक्षा में उसका विषय कहीं गिना ही नहीं जाता; यहाँ वही आधा प्रश्न-पत्र है, और प्रतिस्पर्धा भी केवल उन्हीं से है जिनके पास वही योग्यता है। दोनों बातें मिलकर इस परीक्षा को उसके लिए कहीं बेहतर आकार की परीक्षा बना देती हैं।
- मुख्य परीक्षा में वस्तुनिष्ठ भाग 150 प्रश्न एवं 200 अंक का है, 125 मिनट में, जिसमें व्यावसायिक ज्ञान अकेले 100 अंक का है। इसके साथ एक वर्णनात्मक प्रश्न-पत्र भी है — 2 प्रश्न, 25 अंक, 30 मिनट — जिससे कुल 225 अंक बनते हैं। यहाँ राजभाषा अधिकारी का प्रश्न-पत्र भिन्न है: उसका वर्णनात्मक भाग अंग्रेज़ी का नहीं, व्यावसायिक ज्ञान का ही होता है। साक्षात्कार 100 अंक का है, जिसमें न्यूनतम अर्हक अंक 40 प्रतिशत (अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विशेष योग्यजन के लिए 35 प्रतिशत) हैं। अंतिम चयन मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के 80:20 के अनुपात से बनता है।

- ऋणात्मक अंकन प्रारंभिक एवं मुख्य दोनों परीक्षाओं पर लागू है — प्रत्येक गलत उत्तर पर उस प्रश्न के एक-चौथाई (0.25) अंक काटे जाते हैं, किन्तु प्रश्न खाली छोड़ने पर कुछ नहीं कटता। यह वही व्यवस्था है जो आई.बी.पी.एस. की अन्य परीक्षाओं में है, और राजस्थान की उस व्यवस्था से भिन्न है जिसमें खाली छोड़ने पर भी अंक कटते हैं। इसलिए यहाँ जिस प्रश्न पर भरोसा न हो उसे छोड़ देना ही ठीक है — विशेषकर व्यावसायिक ज्ञान के खंड में, जहाँ प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है और गलत उत्तर पर आधा अंक कटता है।

5 कहाँ से पढ़ें

ऑनलाइन

- Institute of Banking Personnel Selection — notifications, the annual calendar and results — अखिल भारतीय (https://www.ibps.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4ICb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

इस रास्ते की लागत उस विशेषज्ञ योग्यता की है जो आप वैसे भी ले रहे हैं — इस परीक्षा के लिए अलग से कोई डिग्री नहीं करनी पड़ती। यही इसकी सबसे बड़ी व्यावहारिक बात है: जो विद्यार्थी कृषि में स्नातक कर रहा है, हिन्दी में एम.ए. कर रहा है, एल.एल.बी. कर रहा है अथवा एच.आर. में स्नातकोत्तर कर रहा है, वह पहले से इस परीक्षा की आधी तैयारी कर चुका है — क्योंकि व्यावसायिक ज्ञान का खंड उसी पाठ्यक्रम से आता है। शेष तैयारी अंग्रेज़ी, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभियोग्यता (अथवा विधि एवं राजभाषा के लिए बैंकिंग जागरूकता) की है, जो मानक पुस्तकों से हो जाती है। आवेदन शुल्क विज्ञप्ति में दिया जाता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कौन नौकरी देता है

- भाग लेने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक — नियुक्ति अनंतिम आवंटन के माध्यम से इनमें से किसी एक में होती है

माँग (2026)

भर्ती प्रतिवर्ष चक्र में आती है और छहों पद एक साथ भरे जाते हैं, इसलिए तिथियाँ आई.बी.पी.एस. के वार्षिक कैलेंडर से पहले से जानी जा सकती हैं। पदों की संख्या जनरलिस्ट भर्तियों से कम रहती है, पर प्रतिस्पर्धा भी उसी अनुपात में कम है क्योंकि प्रत्येक पद केवल उसी योग्यता वालों के लिए खुला है। व्यावहारिक सलाह यह है कि जिस अभ्यर्थी के पास इनमें से कोई विशेषज्ञ योग्यता है, वह जनरलिस्ट परीक्षा के साथ-साथ इसमें भी आवेदन करे — अतिरिक्त तैयारी केवल अपने ही विषय की पुनरावृत्ति है, और अवसर एक और खुल जाता है। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. यह अधिकारी स्केल I का पद है — वही श्रेणी जिस पर परिवीक्षा अधिकारी नियुक्त होता है, इसलिए आगे की पदोन्नति का ढाँचा भी वही है और स्केल II, III तथा उससे ऊपर तक जाता है।
2. विशेषज्ञ पद होने का एक लाभ यह है कि आपकी विशेषज्ञता बैंक के भीतर आपकी पहचान बनी रहती है, और उसी क्षेत्र की वरिष्ठ भूमिकाओं तक ले जाती है। एक सीमा भी है, और उसे जान लेना चाहिए: विशेषज्ञ संवर्ग सामान्य बैंकिंग की तुलना में सँकरा होता है, इसलिए कुछ बैंकों में सामान्य प्रबंधकीय भूमिकाओं तक पहुँचने के रास्ते जनरलिस्ट अधिकारियों जितने खुले नहीं रहते।
3. योग्यता बैंक के बाहर भी काम करती रहती है — विधि, मानव संसाधन, विपणन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं कृषि, सब अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से चलते हैं। यह इस रास्ते का जोखिम कम करता है।

कमाई

शुरुआत	अधिकारी स्केल I का वेतनमान (विस्तृत विज्ञप्ति में रुपये में आँकड़ा नहीं)
मध्य स्तर	स्केल I के भीतर वार्षिक वेतन-वृद्धि एवं भत्तों के साथ
वरिष्ठ स्तर	पदोन्नति पर स्केल II एवं उससे ऊपर

यह पद अधिकारी स्केल I का है — वही श्रेणी जिस पर परिवीक्षा अधिकारी नियुक्त होता है, इसलिए वेतनमान भी वही है। इस पृष्ठ पर रुपये में कोई आँकड़ा जानबूझकर नहीं दिया गया, क्योंकि CRP SPL-XVI की विस्तृत विज्ञप्ति वेतनमान नहीं छापती। इस पोर्टल पर यही अनुशासन राज-हाउस कीपर के लेवल 8 तथा संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा पर भी लागू किया गया है: जो दस्तावेज़ में नहीं है, वह पृष्ठ पर नहीं आता। तुलना के लिए इसी पोर्टल का बैंक परिवीक्षा अधिकारी का पृष्ठ देखें, जो उसी स्केल I का है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- आपकी अपनी डिग्री ही पात्रता है, और परीक्षा का आधा भाग उसी विषय का — जो अभ्यर्थी विषय में मज़बूत है पर अभियोग्यता में औसत, उसके लिए यह जनरलिस्ट परीक्षा से कहीं बेहतर आकार की परीक्षा है।
- प्रतिस्पर्धा केवल उन्हीं से है जिनके पास वही योग्यता है, इसलिए वह जनरलिस्ट भर्तियों जितनी विशाल नहीं होती।
- आयु-सीमा 30 वर्ष है — लिपिक एवं परिवीक्षा अधिकारी की 28 वर्ष की सीमा से दो वर्ष अधिक।
- हिन्दी अथवा संस्कृत के स्नातकोत्तर के लिए राजभाषा अधिकारी का पद एक ऐसा अधिकारी-श्रेणी का रास्ता है जिसकी जानकारी बहुत कम है; इसी प्रकार कृषि की विस्तृत सूची पशुपालन, मत्स्य, वानिकी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी तक के विद्यार्थियों को पात्र बनाती है।

चुनौतियाँ

- पदों की संख्या जनरलिस्ट भर्तियों से बहुत कम रहती है, इसलिए किसी एक विषय में रिक्तियाँ किसी चक्र में बहुत थोड़ी भी हो सकती हैं।
- विशेषज्ञ संवर्ग सामान्य बैंकिंग की तुलना में सँकरा है, इसलिए कुछ बैंकों में सामान्य प्रबंधकीय भूमिकाओं तक के रास्ते जनरलिस्ट अधिकारियों जितने खुले नहीं रहते।
- योग्यता की शर्तें कड़ी एवं विशिष्ट हैं — विधि अधिकारी के लिए बार काउंसिल में पंजीकरण आवश्यक है, तथा मानव संसाधन एवं विपणन के लिए दो वर्ष का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर। अंशकालिक अथवा दूरस्थ योग्यता इन पदों पर काम नहीं आती।
- व्यावसायिक ज्ञान के खंड में प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है, इसलिए वहाँ गलत उत्तर पर आधा अंक कटता है — दोहरा अंक-भार दोनों दिशाओं में काम करता है।

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. — https://www.ibps.in/wp-content/uploads/Detailed-Notification-CRP-SPL-XVI_Final_V1_30.06.2026.pdf

2. — https://www.ibps.in/wp-content/uploads/IBPS_CALENDAR_2026-27_final.pdf

3. — https://www.ibps.in/

4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

5. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in